www.a2zSubjects.com

PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J A 0 9 1 1 7

Time : **1 ¼** hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
   (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the Test Booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
   (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **काले बाल प्वाईट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

PRAKRIT

Paper – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. Mahakavi Vāk patirāja has given this statement in his Gaudavaho

(1) Prakrit is originated from Sanskrit

(2) Prakrit was the language of only Sanskrit Dramas

(3) All languages are originated from the Prakrit

(4) Prakrit was language of only Tīrthaṅkaras

2. 'Śauraseni' Prakrit is treated the language of this region

(1) Gujarat Janapada (2) Bundelakhanda

(3) Mathura Janapada (4) Magadh Janapada

3. The inscriptional Prakrit is considered as

(1) Third phase – Prakrit (2) Vedic age – Prakrit

(3) Second phase – Prakrit (4) First Phase – Prakrit

4. The name of 23rd chapter of Uṭṭarādhyayana is

(1) Gauṭama – Mahāvīra (2) Keśī – Gauṭamīya

(3) Pradeśī – Keśī (4) Nami – Devendra

5. Pravacanasāra was composed in this century

(1) First A.D. (2) Fourth A.D.

(3) Fifth A.D. (4) Sixth A.D.

6. The Prakrit form of the word Prākṛtam is

(1) Pāiaṃ (2) Pakiyaṃ

(3) Pagayaṃ (4) Pāhūaṃ

7. In Prakrit Sandhi is not permitted with this pair

(1) a + i (2) ā + i

(3) i + u (4) i + ī

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

प्राकृत

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु विकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. महाकवि वाक्पतिराजने अपने गउडवहो में यह कथन दिया है –

(1) प्राकृत संस्कृत से उत्पन्न हुयी है ।

(2) प्राकृत एकमात्र संस्कृत नाटकों की भाषा थी ।

(3) सभी भाषाएँ प्राकृत से उत्पन्न हुईं हैं ।

(4) प्राकृत एकमात्र तीर्थङ्करों की भाषा थी ।

2. 'शौरसेनी' प्राकृत इस क्षेत्र की भाषा बतलायी गयी है

(1) गुजरातजनपद (2) बुन्देलखण्ड

(3) मथुराजनपद (4) मगधजनपद

3. अभिलेखीय-प्राकृत ऐसी मानी जाती है

(1) तृतीययुगीन-प्राकृत (2) वैदिकयुगीन-प्राकृत

(3) द्वितीययुगीन-प्राकृत (4) प्रथमयुगीन-प्राकृत

4. उत्तराध्ययन के तेइसवें अध्ययन का नाम है

(1) गौतम – महावीर (2) केशी – गौतमीय

(3) प्रदेशी – केशी (4) नमि – देवेन्द्र

5. प्रवचनसार की रचना इस शताब्दी में की गई है :

(1) प्रथम ईस्वी (2) चतुर्थ ईस्वी

(3) पंचम ईस्वी (4) षष्ठ ईस्वी

6. प्राकृत में 'प्राकृतम्' शब्द का यह रूप होता है

(1) पाइअं (2) पकियं

(3) पगयं (4) पाहूअं

7. प्राकृत में इस युग्म की संधि स्वीकृत नहीं है :

(1) अ + इ (2) आ + इ

(3) इ + उ (4) इ + ई

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

8. Genitive plural of the word jiṇa becomes

(1) Jiṇassa (2) Jiṇāhiṁto

(3) Jiṇāṇa (4) Jiṇehi

9. This vowel does not occur in Prakrit

(1) au (2) ū

(3) e (4) ī

10. This is an example of regressive Assimilation

(1) Laddho < Labdhaḥ (2) Sukkaṃ < Śuklam

(3) Takkaṃ < Takram (4) Paḍhamaṃ < Prathamam

11. The subject matter of the Tiloyapaṇṇatti is

(1) Description of three Lokās (2) Story of three births of Mahavira

(3) Story of three traders (4) Narratives of three Tīrthaṅkaras

12. The main subject matter of Mulācāra text is

(1) Code of conduct of Śramaṇās (2) Jñānamīmaṁsā

(3) Karmasiddhānta (4) Description of Triloka

13. The number of mūlasūtras of Ardhamāgadhī āgamasāhitya is

(1) Four (2) Fourteen

(3) Six (4) Twelve

14. Read the Unit – I and Unit – II for correct match :

	Unit – I		**Unit – II**
(a)	Aṅga Āgamas	(i)	Sukhabodhā
(b)	Mūlasūtra	(ii)	Daśavaikālika
(c)	Upangla-Āgama	(iii)	Jñātādharmakathā
(d)	Tīkā	(iv)	Aupapātika

Choose the correct answer :

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (i)

(3) (c) + (ii) (4) (d) + (iv)

15. The writer of Tiloyapaṇṇatti is

(1) Kunda-Kunda (2) Guṇadhara

(3) Puṣpadanta (4) Yativṛṣabha

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

8. 'जिण' शब्द का षष्ठी बहुवचन रूप यह है

(1) जिणस्स (2) जिणाहिंतो

(3) जिणाण (4) जिर्णेहि

9. यह स्वर प्राकृत में नहीं होता

(1) औ (2) ऊ

(3) ए (4) ई

10. यह परागत समीकरण का उदाहरण है

(1) लद्धो < लब्ध: (2) सुक्कं < शुक्लम्

(3) तक्कं < तक्रम् (4) पदमं < प्रथमम्

11. तिलोयपण्णत्ति का यह विषय है

(1) तीन लोकों का वर्णन (2) महावीर के तीन जन्मों की कथा

(3) तीन व्यापारियों की कथा (4) तीन तीर्थङ्करों का वर्णन

12. मूलाचार ग्रन्थ की प्रमुख विषयवस्तु है

(1) श्रमणों की चर्या (2) ज्ञानमीमांसा

(3) कर्मसिद्धान्त (4) त्रिलोक-वर्णन

13. अर्धमागधी आगम साहित्य के मूलसूत्रों की संख्या है

(1) चार (2) चौदह

(3) छह (4) बारह

14. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाओं को सही मिलान हेतु पढें :

	तालिका - I		**तालिका – II**
(a)	अंगआगम	(i)	सुखबोधा
(b)	मूलसूत्र	(ii)	दशवैकालिक
(c)	उपांग-आगम	(iii)	ज्ञाताधर्मकथा
(d)	टीका	(iv)	औपपातिक

सही उत्तर चुनिये :

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (i)

(3) (c) + (ii) (4) (d) + (iv)

15. तिलोयपण्णत्ति के लेखक हैं –

(1) कुन्दकुन्द (2) गुणधर

(3) पुष्पदन्त (4) यतिवृषभ

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

16. Read carefully the Unit – I and Unit – II for correct match :

	Unit – I		**Unit – II**
(a)	Muktakakāvya	(i)	Upadeśamālā
(b)	Caritakāvya	(ii)	Vajjālaggaṃ
(c)	Kōśakāvya	(iii)	Kummapuṭṭacariyaṃ
(d)	Kathākāvya	(iv)	Deśīnāmamālā

Identify the correct match from the following :

(1) (a) + (ii) (2) (b) + (iv)

(3) (c) + (i) (4) (d) + (iii)

17. The author of Bhuvanasundarīkahā is

(1) Śubhavarddhanagaṇi (2) Jayakīrti

(3) Jayasiṃhasūri (4) Munisundarasūri

18. Choose the correct pair

(1) Muktakakāvya – Vajjālaggaṃ and Kathākōśa

(2) Caritakāvya – Gauḍavahō and Kumnāpuṭṭacariyaṃ

(3) Khṇḍakāvya – Candalehā and Uṣāniruddha

(4) Mahākāvya – Setubandha and Śauricarita

19. Qualities of this king have been described in the Gauḍavahō

(1) Jayandhara (2) Mahendrapāla

(3) Caṇḍapāla (4) Yaśōvarmā

20. This is not included in the works of Kundakunda

(1) Pravcanasāra (2) Gommaṭasāra

(3) Niyamasāra (4) Samayasāra

21. The motif of the story of the Samarāiccakahā is this

(1) Celebration (2) Work-management

(3) Revengeful intention (4) Practice of vows

22. The pleasant description of village life is found in this work

(1) Setubandha (2) Kaṇsavahō

(3) Dhammarasāyaṇa (4) Gāthāsaptaśatī

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

16. सही मिलान के लिए प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को ध्यान से पढ़िये :

	इकाई – I		**इकाई – II**
(a)	मुक्तककाव्य	(i)	उपदेशमाला
(b)	चरितकाव्य	(ii)	वज्जालग्गं
(c)	कोशकाव्य	(iii)	कुम्मापुत्तचरियं
(d)	कथाकाव्य	(iv)	देशीनाममाला

निम्नलिखित में से सही मिलान को पहचानिये :

(1) (a) + (ii) (2) (b) + (iv)

(3) (c) + (i) (4) (d) + (iii)

17. भुवनसुन्दरी कहा के लेखक हैं ?

(1) शुभवर्द्धनगणि (2) जयकीर्ति

(3) जयसिंहसूरि (4) मुनिसुन्दरसूरि

18. सही युग्म चुनिये –

(1) मुक्तककाव्य – वज्जालग्गं एवं कथाकोश

(2) चरितकाव्य – गउडवहो एवं कुम्मापुत्तचरियं

(3) खण्डकाव्य – चन्दलेहा एवं उषानिरुद्ध

(4) महाकाव्य – सेतुबन्ध एवं शौरिचरित

19. गउडवहो में इस राजा के गुणों का वर्णन है :

(1) जयन्धर (2) महेन्द्रपाल

(3) चण्डपाल (4) यशोवर्मा

20. यह कुन्दकुन्द की कृतियों में सम्मिलित नहीं है –

(1) प्रवचनसार (2) गोम्मटसार

(3) नियमसार (4) समयसार

21. समराइच्चकहा की कथा का मूल भाव यह है –

(1) उत्सव मनाना (2) कार्यों का प्रबन्धन

(3) निदान बाँधना (4) व्रतों का पालन करना

22. ग्रामीण जीवन का सरस वर्णन इस ग्रन्थ में प्राप्त है :

(1) सेतुबन्ध (2) कंसवहो

(3) धम्मरसायण (4) गाथासप्तशती

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

23. Read these statements in terms of the period of composition

(a) Ānandasundarī Saṭṭaka – 18th century C.E.

(b) Samarāiccakahā – 8th century C.E.

(c) Saṃvegaraṇgaśālā – 10th century C.E.

(d) Kuvalayamālā Kahā – 10th century C.E.

Choose the correct answer code :

(1) (a) + (b) + (c) (2) (b) + (c) + (d)

(3) (c) + (d) (4) (a) + (b)

24. Maximum number of Prakrit languages are used in this work

(1) Veṇīsaṃhāra (2) Mṛcchakaṭikaṃ

(3) Mudrārākṣasa (4) Karpūramañjarī

25. The story of Uṣāniruddha text is based on

(1) Ācārāṇgasūtra (2) Upaniṣad

(3) Śrīmadbhāgavata (4) Bhagavadgītā

26. 'Mahāmeghavāhana' was the attribution with the name of this emperor

(1) Emperor Aśoka (2) Emperor Khāravela

(3) Emperor Chandragupta (4) Emperor Vikramāditya

27. The subject matter of Khāravela Inscription has been inscribed in these number of lines

(1) Five (2) Nine

(3) Six (4) Seventeen

28. This war has changed the life of Emperor Aśoka

(1) Kalinga (2) Kāmbhoja

(3) Āndhra (4) Nābhaka

29. The language of the inscription of Girnāra version of Emperor Aśoka is this

(1) Sanskrit (2) Gujarati

(3) Tamil (4) Prakrit

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

23. रचनाकाल के संदर्भ में ये कथन पढ़िए –

(a) आनन्दसुन्दरी सट्टक – 18वीं शताब्दी ई.

(b) समराइच्चकहा – 8वीं शताब्दी ई.

(c) संवेगरंगशाला – 10वीं शताब्दी ई.

(d) कुवलयमाला कहा – 10वीं शताब्दी ई.

सही उत्तर कूट को चुनिए :

(1) (a) + (b) + (c) (2) (b) + (c) + (d)

(3) (c) + (d) (4) (a) + (b)

24. सबसे अधिक प्राकृत भाषाएँ इस ग्रन्थ में प्रयुक्त हैं :

(1) वेणीसंहार (2) मृच्छकटिकम्

(3) मुद्राराक्षस (4) कर्पूरमंजरी

25. उषानिरुद्ध ग्रन्थ की कथा का आधार यह है :

(1) आचारांगसूत्र (2) उपनिषद्

(3) श्रीमद्भागवत (4) भगवद्गीता

26. 'महामेघवाहन' इस सम्राट् की उपाधि है

(1) सम्राट् अशोक (2) सम्राट् खारवेल

(3) सम्राट् चन्द्रगुप्त (4) सम्राट् विक्रमादित्य

27. खारवेल शिलालेख की वर्ण्य-सामग्री इतनी पंक्तियों में लिखित है –

(1) पाँच (2) नौ

(3) छह (4) सत्रह

28. इस युद्ध ने सम्राट् अशोक की जीवन-धारा ही बदल दी –

(1) कलिंग (2) कम्भोज

(3) आन्ध्र (4) नाभक

29. सम्राट अशोक के गिरनार शिलालेखों की भाषा यह है

(1) संस्कृत (2) गुजराती

(3) तमिल (4) प्राकृत

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

30. Read the Unit – I and II for the correct match :

Unit – I	**Unit – II**
(a) Anuvataraṁ savalokahitāya	(i) Third Girnar inscription
(b) Ta Mayā bahu Kalāṇaṁ kataṁ	(ii) Fourth Girnar inscription
(c) Dhaṁmacaraṇe pi na bhavatiasīlasa	(iii) Fifth Girnar inscription
(d) Dvādasavāsābhisitena mayā idaṁ āñapitaṁ	(iv) Sixth Girnar inscription

Identify the correct answer :

(1) (a) + (iii) (2) (b) + (ii)

(3) (c) + (iv) (4) (d) + (i)

31. Period of composing the Gāhā-lakkhaṇa is

(1) 10^{th} A.D. (2) 12^{th} A.D.

(3) 14^{th} A.D. (4) 13^{th} A.D.

32. This group belongs to the texts of prosody

(1) Kavidarpaṇa, Prakrit-Paiṅgalaṃ, Kāvyaprakāśa

(2) Gāhālakkhaṇa, Kavidarpaṇa, Prakrit-paiṅgalaṃ

(3) Kāvyaprakāśa, Kavidarpaṇa, Prakrit-paiṅgalaṃ

(4) Prakrit-paiṅgalaṃ, Kāvyaprakāśa, Gāhālakkhaṇa

33. This text is not considered to be the prosody

(1) Kavidarpaṇa (2) Rayaṇāvali

(3) Gāhālakkhaṇa (4) Prakrit-Paiṅgalaṃ

34. The subject-matter of Vṛttajātismuccaya is

(1) Kośa (2) Chhanda

(3) Vyākaraṇa (4) Alaṅkāra

35. The examples of Sanskrit, Prakrit and Apabhraṁśa metres are found in this text

(1) Vṛttajātisamuccaya (2) Gāhālakkhaṇa

(3) Kavidarpaṇa (4) Svayaṁbhūchanda

36. The period of composing the text chandaḥ-kośa is

(1) 13^{th} century C.E. (2) 14^{th} century C.E.

(3) 9^{th} century C.E. (4) 10^{th} century C.E.

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

30. प्रथम अवं द्वितीय इकाईयों को पढ़िए और सही मिलान कीजिए –

	इकाई – I		**इकाई – II**
(a)	अनुवत्तरं सवलोक हिताय	(i)	तीसरा गिरनार शिलालेख
(b)	त मया बहु कलाणं कतं	(ii)	चौथा गिरनार शिलालेख
(c)	धंमचरणे पि न भवतिअसीलस	(iii)	पांचवां गिरनार शिलालेख
(d)	द्वादसवासाभिसितेन मया इदं आञपितं	(iv)	छठा गिरनार शिलालेख

सही उत्तर की पहचान कीजिए :

(1) (a) + (iii)
(2) (b) + (ii)
(3) (c) + (iv)
(4) (d) + (i)

31. गाहालक्खण का रचना काल है

(1) 10वीं शती ई. (2) 12वीं शती ई.
(3) 14वीं शती ई. (4) 13वीं शती ई.

32. यह वर्ग छन्द-ग्रन्थों से सम्बन्धित है –

(1) कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्, काव्यप्रकाश
(2) गाहालक्खण, कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्
(3) काव्यप्रकाश, कविदर्पण, प्राकृतपैंगलम्
(4) प्राकृतपैंगलम्, काव्यप्रकाश, गाहालक्खण

33. छन्द-ग्रन्थों में यह ग्रन्थ सम्मिलित नहीं है –

(1) कविदर्पण (2) रयणावलि
(3) गाहालक्खण (4) प्राकृतपैंगलम्

34. वृत्तजातिसमुच्चय का मुख्य विषय है –

(1) कोश (2) छन्द
(3) व्याकरण (4) अलंकार

35. संस्कृत, प्राकृत एवं अपभ्रंश छन्दों के उदाहरण इस ग्रन्थ में पाये जाते हैं –

(1) वृत्तजातिसमुच्चय (2) गाहालक्खण
(3) कविदर्पण (4) स्वयंभूछन्द

36. छन्द:कोश ग्रन्थ का रचना काल है

(1) 13वीं शती ई. (2) 14वीं शती ई.
(3) 9वीं शती ई. (4) 10वीं शती ई.

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

37. In Śaurasenī the suffix-ktvā is changed into

(1) tta (2) uno

(3) ūṇa (4) dūṇa

38. The conjunct 'stha' in Māgadhī is changed into

(1) ttha (2) tha

(3) sta (4) stha

39. The word 'tailam' is changed into Prakrit as

(1) tellaṃ (2) telaṃ

(3) tailaṃ (4) tilaṃ

40. Intervovalic kha, gha, tha, dha and bha in Prakrit are changed into

(1) jha (2) chha

(3) ha (4) pha

41. This is an example of Aspiration

(1) atasī > alasī (2) kandukam > genduaṃ

(3) pāribhadraḥ > phālihaddo (4) kanakam > kaṇagaṃ

42. Read the Unit – I and II for correct match of terms and number of types :

	Unit – I		**Unit – II**
(a)	Dravya	(i)	Fourteen
(b)	Astikāya	(ii)	Two
(c)	Ākāśa	(iii)	Six
(d)	Jīvasamāsa	(iv)	Five

Identify the correct answer code :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv)

(3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

43. "Egaṃ jiṇejja _____, esa se paramo jao" here 'egaṃ' denotes this _____

(1) Sahassaṃ Sahassāṇaṃ (2) Saṇgāmaṃ

(3) Appāṇaṃ (4) Gharaṃ

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

37. शौरसेनी प्राकृत में 'क्त्वा' प्रत्यय का यह परिवर्तन होता है –

(1) त्ता (2) उनो

(3) ऊण (4) दूण

38. संयुक्त-व्यंजन 'स्थ' का मागधी में यह परिवर्तन होता है –

(1) त्थ (2) थ

(3) स्त (4) स्थ

39. प्राकृत में 'तैलम्' शब्द का परिवर्तन यह होता है –

(1) तेल्लं (2) तेलं

(3) तैलं (4) तिलं

40. स्वर-मध्यवर्ती ख, घ, थ, ध एवं भ का प्राकृत में यह परिवर्तन होता है –

(1) झ (2) छ

(3) ह (4) फ

41. यह महाप्राणीकरण का उदाहरण है –

(1) अतसी > अलसी (2) कन्दुकम् > गेंदुअं

(3) पारिभद्र: > फालिहद्दो (4) कनकम् > कणगं

42. तालिका-I तथा II के पदों तथा भेद संख्या को, सही मिलान करने हेतु, पढें –

	तालिका - I		**तालिका – II**
(a)	द्रव्य	(i)	चौदह
(b)	अस्तिकाय	(ii)	दो
(c)	आकाश	(iii)	छ:
(d)	जीवसमास	(iv)	पाँच

सही उत्तर कूट पहिचानिये :

(1) (a) + (i)

(2) (b) + (iv)

(3) (c) + (iii)

(4) (d) + (ii)

43. "एगं जिणेज्ज ……., एस से परमो जओ" यहाँ 'एगं' से इसका संकेत है –

(1) सहस्सं सहस्साणं (2) संगामं

(3) अप्पाणं (4) घरं

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

44. 'Kasāyā aggiṇo vuttā' this statement in Uttarādhyayana is told by _____.

(1) Goyamo (2) Kesī

(3) Ṇami (4) Devindo

45. "Cārittaṁ khalu dhammo" this statement is quoted from this text

(1) Samayasāra (2) Niyamasāra

(3) Pravacansāra (4) Tiloyasāra

46. This group belongs to Sanmatitarka prakaraṇa

(1) Satthapariṇṇā – Logvijaya – Vimokkha

(2) Jñānādhikāra – Jñeyādhikāra – Cāritrādhikāra

(3) Sandhivicchedo – Vyavahāro – Saṁhāro

(4) Ṇayakaṇḍayaṃ – Jīvakaṇḍayaṃ – Aṇegantakaṇḍayaṃ

47. The number of acts of Mṛcchakatika Prakaraṇa is

(1) 5 (2) 7

(3) 9 (4) 10

48. 'Bho ! sake gehe kukkuro vi dāvacando bhodi' in this statement 'dāvacando' reflects

(1) Lion (2) Dog

(3) Deer (4) Cow

49. According to Udyotanasūri Akkhevaṇī – Vikkhevaṇī – Saṁvegajaṇaṇī – ṇivveyajaṇaṇī, these four types belong to this kathā _____

(1) Kāmakahā (2) Atthakahā

(3) Dhammakahā (4) Parihāsakahā

50. Read the Unit – I and II for correct match :

	Unit – I		**Unit – II**
(a)	Alaṅkāradappaṇa	(i)	Vyākaraṇa
(b)	Kavidarpaṇa	(ii)	Chanda
(c)	Prākrit-Sarvasva	(iii)	Kośa
(d)	Ardhamāgadhīkośa	(iv)	Alaṅkāra

Identify the correct answer :

(1) (a) + (iv) (2) (b) + (iii)

(3) (c) + (ii) (4) (d) + (i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

44. 'कसाया अग्गिणो वुत्ता' उत्तराध्ययन सूत्र का यह कथन इन्होंने कहा –

(1) गोयमो (2) केशी

(3) णमि (4) देविंदो

45. "चारित्तं खलु धम्मो" यह कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है –

(1) समयसार (2) नियमसार

(3) प्रवचनसार (4) तिलोयसार

46. यह सन्मतितर्कप्रकरण से सम्बन्धित वर्ग है –

(1) सत्थपरिण्णा – लोगविजय – विमोक्ख (2) ज्ञानाधिकार – ज्ञेयाधिकार – चारित्राधिकार

(3) सन्धिविच्छेदो – व्यवहारो – संहारो (4) णयकंडयं – जीवकंडयं – अणेगंतकंडयं

47. मृच्छकटिक प्रकरण के अंकों की संख्या है –

(1) 5 (2) 7

(3) 9 (4) 10

48. 'भो ! सके गेहे कुक्कुरो वि दावचण्डो भोदि' इस कथन में 'दावचण्डो' का अभिप्राय है –

(1) शेर (2) कुत्ता

(3) हिरण (4) गाय

49. उद्योतनसूरि के अनुसार अक्खेवणी - विक्खेवणी - संवेगजणणी - णिव्वेयजणणी ये चार प्रकार इस कथा के हैं –

(1) कामकहा (2) अत्थकहा

(3) धम्मकहा (4) परिहासकहा

50. प्रथम एवं द्वितीय तालिकाएँ पढ़िए और सही मिलान कीजिए –

	इकाई-I		**इकाई**-II
(a)	अलंकारदप्पण	(i)	व्याकरण
(b)	कविदर्पण	(ii)	छन्द
(c)	प्राकृत सर्वस्व	(iii)	कोश
(d)	अर्धमागधीकोश	(iv)	अलंकार

सही उत्तर की पहिचान कीजिए :

(1) (a) + (iv)

(2) (b) + (iii)

(3) (c) + (ii)

(4) (d) + (i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com